डॉ. राजेंद्र प्रसाद का 62वाँ निर्वाण दिवस

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के 62वें निर्वाण दिवस पर उन्हें शत-शत नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **डॉ. राजेंद्र प्रसाद के बारे में:**
  - डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के सिवान ज़िले के जीरादेई में हुआ था।
  - वह बिहार में चंपारण सत्याग्रह (1917) के दौरान **महात्मा गांधी** के साथ जुड़े थे।
  - डॉ. प्रसाद ने **1918 के रॉलेट एक्ट और 1919 के** जलियाँवाला बाग हत्याकांड पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।
    - डॉ. प्रसाद ने गांधीजी के असहयोग आंदोलन के तहत बिहार में असहयोग का आह्वान किया।
  - उन्होंने वर्ष 1930 में बिहार में नमक सत्याग्रह में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हें कारावास भी हुआ।
  - वह आधिकारिक तौर पर वर्ष **1911 में कलकत्ता में आयोजित अपने वार्षिक सत्र के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** में शामिल हो गए।
    - वर्ष 1946 में वे पंडित जवाहरलाल नेहरू की अंतरिम सरकार में खाद्य और कृषि मंत्री के रूप में शामिल हुए तथा "अधिक अन्न उगाओ" का नारा दिया।
  - उन्होंने 26 जनवरी, 1950 से 13 मई, 1962 तक भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया और वे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रपति रहे।
  - 26 जनवरी, 1950 को वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति चुने गए। राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने 12 वर्षों से अधिक समय तक सेवा की, जो उन्हें भारत के इतिहास में **सर्वाधिक समय तक कार्यरत** राष्ट्रपति के रूप में दर्शाता है।
  - डॉ. प्रसाद को वर्ष **1962 में** भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कई किताबें लिखीं, जिनमें **"सत्याग्रह एट चंपारण," "इंडिया डिवाइडेड" तथा उनकी "आत्मकथा" शामिल हैं।**
  - 28 फरवरी, 1963 को उनका निधन हो गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/62nd-nirvana-day-of-dr-rajendra-prasad